This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7415

Unique Paper Code : 62051313 IC

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य

Name of the Course : B.A. (Programme) Hindi B CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

हिंदी कहानी के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए।

2. 'उसने कहा था' कहानी के कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'गुंडा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'सदाचार का ताबीज' व्यंग्य की दृष्टि से एक आदर्श रचना है।' स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' निबंध के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'बिबिया' के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

5. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10

(क) उसी समय समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र-बल के सामने झुकते देखकर काशी के विच्छिन्न और निराश नागरिक जीवन ने, एक नवीन सम्प्रदाय की सृष्टि की—वीरता जिसका धर्म था। अपनी बात पर मिटना, सिंह-वृत्ति से जीविका ग्रहण करना; प्राण-भिक्षा माँगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे हुए प्रतिद्वंद्वी पर शस्त्र न उठाना, सताए निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें लोग काशी में गुंडा कहते थे।

(ख) "चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूं तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े—संगीन देखते ही मुंह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था—चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था। पीछे जनरल साहब ने हट आने का कमान दिया नहीं तो....."

Scanned by CamScanner

(ग) सेत सेत सब एक से, जहां कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में, कबहूँ न कीजै बास।।
कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहां न नेकु विवेक।।
बसिए ऐसे देस नहीं, कनक-वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुःख पाइए, प्रान दीजिए रोय।।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) संस्मरण

(ख) उपन्यास के तत्व

(ग) नाटककार भारतेंदु।

Scanned by CamScanner